05/03/2016 Issue 051 ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ती त गलती बि भुन्ती। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेएड़े हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सुझाव त अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगेई मेह्णु जे हात जोड़ कइ निवेदन कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणी या नोवी कथा, कहावत, कविता, त नोवे घीत (पंगवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्न दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9418721336

हिमते बाड़े गभुरु

कतिर्क ठाकुर ग्रां चौकी

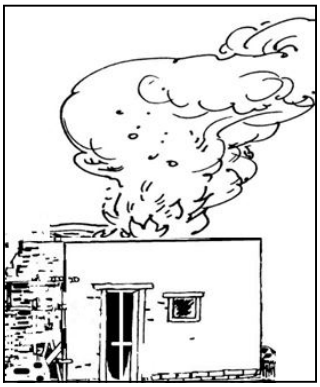

हियुंते टेम थिया। अक्षय त तसे भेण अंकिता गी अकेले थिए। तन्के ई-बोउ यक ग्रां बियाह खाण जे गओ थिए। दुहे गभुर खांजे खाई कइ होता उंघो थिए। तउं तन्हि बहरी जोरि-जोरि हुशरि शुणी कि 'हेरे-हेरे सरिता चचि गी आग लगो असी'। सरिता चचि कुवा त तसे दॉदी अन्तरे रेहि गओ थिए। तन्के कना कसेरी ध्यान ना थिया।

तउं अक्षय त तसे भेणि ध्यान तन्के कना गा। तउं तन्हि दुहि भाई-भेणि यक बोडा लोड टाता। तउं से दुहे जेंई लोडे बइ दवार पुठ जोरि-जोरि देण लगे, त दवार टूट गओ। तउं से दुहे भाई-भेण आगे लपट पुठि बइ दौड़ दी कइ अन्तर गए। मेहणु तन्हि अन्तर घेण केआं रोकुण लगो थिए, पर से ना रुके। तउं मेहणु सोचुण लगे कि अब त शायद कऊं बचियाल? किस कि आगे लपट सुआ बधती गओ थी। अक्षय त अंकिता दुहि दॉदी हतऊ केआं टाती त से गभुर कलाहि कर कइ पंतुई दवारे बइ सुसुर बहर निस गए। तन्हि सुसर हेर कइ सोब जेंई खुश भोई गए।

आस्तीने कीड़ा

अनूवादक: भागेश, ग्रां परमस

बोक सुआ साले पुराणी भो। यक राजे राज्य अन्तर रोज यकक सिपही मौत भुण लगो थी। मौत युध्द अन्तर न बल्कि महेल अन्तर भुण लगो थी। राजे चिंता भुण लगी। सेनापति रोज ऐन्ता त महाराज सिपही के मौते खबर शुणंता। 'महाराज-महाराज आज फिर महेल अन्तर कनि सिपही मार छड़ा।' महाराजे बोलु, 'कऊं भो ए दुष्ट मेहणु? एतु पहेरा देणेबाडे असे फिर बि कोई फर्क नेई न?' रोज मौत भुण लगो थी, त हालत सुआ खराब भोई गओ थी। सिपही महेल अन्तर पहेरा देण जे बि नाह करण लगो थिए।

राजे यके कुआ थिया। तेस नउ विष्णुकांत थियु। विष्णुकांत महेल अन्तर पुजा त बोउ उदास हेर कइ पुछु 'कि कियो असु'। महेले हाल शुण कइ विष्णुकांत बि चिंता भोई गई। मौति के पूरी खबर शुण कइ हैरान भोई गा कि मौत सिर्फ तेस सिपही भुतीथ जे अकेला पहेरा देन्ताथ। असे मतलब साफ थिया कि मारणेबाडा यक-यक सिपही मारताथ। से सोभि के समाड़ी न निसताथ। राज कुमारे सिपही जे आज्ञा दिती 'अकेले कोठि खाखड़ न बिशुण। पंज-पंज सिपही कठे पहेरा दिए।' राज कुमारे आज्ञा मान कइ पंज-पंज सिपही कठे बिशण लगे त कसेरी मौत न भुई त सोब खुश थिए। यक रोज राज कुमारे सेनापति भिआ त बोलु 'सेनापति! मोउं लगतु कि हत्यारा नश गा। अब आधे सिपही लंघाई छड़ अब अत सिपही के जरुरत नेई।' राजे बोलु 'ना-ना ईं करणे बेलि सुआ खतरा असा किस कि से हत्यारा फिर सिपही मारणे कोशिश कता।' राज कुमारे बोलु 'अब से ईं कोशिश न कता।' बोउए बोलु 'कोइया पल भरे कमयवि घमण्ड न करण। अगर तउ भरोसा नेई त पतुई दवार पुठ यके सिपही पहेरा देण छड़।' राज कुमारे तिहिरु कियु, पतुई दवार पुठ यके सिपही पहेरा देण छड़ा।

आस्तीने कीड़ा.....।

सेनापति पतुई दवारे हाल हेरण जे गा त दवार पुठ अकेला सिपही थिया। सेनापति बोलु कि 'सिपहीआ डर त नेई लगो।' सिपही बोलु 'जी ना सेनापति।' सेनापति बोलु 'शबश।' अजगता सेनापति पतुं जे मुड़ा त सिपही कियड़ी केआं टाई छड़ा त तसे पेट पुठ तलवारी बई दिती। पर सेनापति हथ केआं तलवार छुट गइ किस कि सिपही लोहिए पक्का कवज लओ थिया। सेनापति किछ समझ ऐन्तु तेस केआं पहेलाइ सिपही तसे कियड़ी पुठ तलवार रख छई त हसते-हसते बोलुण लगा 'मोउं लगुतु कि तेईं अउं ना पिछाणा।' ई बोल कइ राज कुमार अपु मुँह केआं नकाब खोल छड़ा। 'राज कुमार, तुस भींथ ना!' सेनापति डर कइ का भोई गा। राज कुमारे बोलु, 'मोउं पहेलाई शक थिया कि भो न भो तुईंए आस्तीने कीड़ा भो।' सेनापति बोलुण लगा 'मोउं माफ करे, राज कुमार जी।' तउं सेनापति गिरफदार कर कइ जेल अन्तर छई छड़ा। तढ़ेया पता राज महेल अन्तर सोब जेईं सुखशान्ति जुए बिशे। बोते ना कि कीड़े जतु बि दुद पिए पर डासुण न छता।

टशो काग

अनुवादिका: मोनिका, चौकि

बरशाड़े दन थिए। यक काग टशो थिया, त इए-ओ उडरण लगो थिया। तेन सुआ जगाई पुओणी तोपु, पर तेस कोठि पुओणी न मेऊ। पता से पुओणी तोपते-तोपते यक बगींचे पुजा। तठि तेन यक घड़ु काऊ। से घड़ु केईं पुजा। तेन घड़ु अन्तर पुओणी काऊ। पर पुओणी सुआ टुनि थियु। पणि तकर तसे ठुंग न पुजतीथ। तउं तेन घड़ु अन्तर सुआ शकरि छेई। शकरि छई कइ पुओणी खड़ी एइ गओ। तउं कागे पुओणी पियु त खुश भोइ कइ अपु गुहले जे घेइ गा। तउं त बोते जठि चाह असी तठि राह मेईए घेन्ती।

माघे त फोगुणे तिहार

विनोद, ग्रां :सैरी भटोस

फोगुण	18	शीते बुढ़ी - पनिहारे कुडी, टुनुर	01 मार्च	मन्घे
फोगुण	19	शीते बुढ़ी - चोउरे जेटुण	02 मार्च	बुध
फोगुण	20	शीते बुढ़ी - बकरे कें,	03 मार्च	लेसपत
फोगुण	21	शीते बुढ़ी - कुण्हिए देहेर	04 मार्च	शुकर
फोगुण	22	शीते बुढ़ी - टींए जेटुण,	05 मार्च	शणेहचर
फोगुण	23	शीते बुढ़ी - कला नागणी; रेखि शरवाठि,	06 मार्च	ऐतवार
फोगुण	24	शीते बुढ़ी - चौक टन, उगिर शरवाठ	07 मार्च	सुमार
फोगुण	25	शीते बुढ़ी - जहरु खन, पुने शरवाठ	08 मार्च	मन्घे
	30	चैत्रे धनीस	13 मार्च	ऐतवार

डाक्टर अधरात अपु जुएली जे बोलुण लगा ...।

रोहित, चौकी

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

सोभि पंगेई मेहणु के छने -अरे कते हियुंत मेहना लगो असा त सुआ ठन्यारी असी। तिहार बि लगो असे त सुआ अराख न पिए। अपु कुई-चीड़ी त सकि नति जोइ तिहार मनाए। सुआ अराख पी कइ अपु सेहद खराब न करें।